

नरिज

वंसलाचनमाला २ पिपलामाला १ उ कानमाला १ जंगिहर्दपोल्याकोमोला १ हर्द
पोल्याकगोला १ ओरुतापोल्याकोमोला १ तुलसिकोमोला १ मंजु
कोपोषपोल्याकोमोला १ यतिभागमिलाई ३ नरिमादा १ महर्ग
तमिलाई ३ नदमकोषधानिको ३



ॐ नमः श्रीगुरुवे नमः॥

॥ स ग्रीव उवाच ॥

॥ आदि क जाय क शागमा कय दवगान क

[illegible]

५३५

कलशालनिमर्कनाथाय नमः कलशपूजायाय नमः अक्षयलक्ष्मणाय नमः मालवकथा
 यायाय नमः मणिकुण्डलशिरसाय नमः पञ्चमूर्तिसहि नमः दयकायाय नमः धूपदियनेय
 यडावगणसिंहलेशधरिण्यायाय नमः यथाय नमः पूजायाय नमः लालपायाय नमः प्रथमायाय नमः
 स्काययाय नमः धर्माय नमः गुणाय नमः डावगणसिंहलेशकायाय नमः अक्षयलक्ष्मणाय नमः सिंहलेशकाय
 यथाय नमः लक्ष्मणाय नमः सदाय नमः लक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥
 यथाय नमः लक्ष्मणाय नमः अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥
 मधुसूतनाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥
 कायाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥
 अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥ अक्षयलक्ष्मणाय नमः ॥

三

का	अ	इ	उ	ए
ख	ब	घ	ङ	च
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
स	ह	ळ	ळ	ळ

[illegible]

अनुयाविनाल

मयाविधिकनगद श्रीमाहदवन पाविकिकठ रुपावैमि ददवर्क आहदयक
 ल अनुयाविनालन खटकर्मयाय वेद वेणाव वरुन अनुधाय निरुया
 विधुधायसिय सथयायपरुलरु वरुनअनुधाय सफति रुगिया दयादसि
 निधि नकाय कुरु उपायारु अरुनाध बाहिनि उदरुद मूल अगिरुय
 पूर्वरुद अलरुय पूर्वीरुय॥ ॥ धुगिवायूमलुधाय॥ ॥ आकरवेन कर्म
 याय॥ १ ॥ उवाकनयाय॥ ॥ विधायनयाया॥ ॥ कुरुआरुधन ग्रीष्मअनु
 धाय निरुअनुमिय क्रियापपरुलगा ग्रीष्मअनुधाय द्वागिया वरि निधि अ
 निमउलधाय नकाय त्यागि हला मृगसिवा विशा उरुवरुलुनि पुन
 वरु प्रथ धुगिवायूमलुधाय॥ ॥ अग्निनि रुग्नि विशा धनखा अवन म

सिद्धसाधकविवाले

घा॥ विष्णुया कृत्तिका पूर्वरात्रि नि अवधि अनिश्चर जंगवाल २ क्रियासा
पहलस बलिद्वयविशुधाय॥ ॥ कुरुनयाय॥ ३ ॥ क्रियापयपहलस जिहिल
मधुधाय॥ ॥ मालसकर्मयाय॥ ४ ॥ वाचानकासवदविशुधाय॥ ॥ आर्किक
र्मयाय॥ ५ ॥ वाचानलि रुमनविशुधाय॥ ॥ पौष्टिकर्मयाय॥ ६ ॥ षट्कर्म
देवता आर्किकर्मयावधि देवता १ वसिकर्मयाअवसधिदेवता २ कुरु
नयालम्बिदेवता ३ विद्वषनया कर्षा कृत्तिकादेवता ४ उवाकन
याइर्गदेवता ५ मालनया कालिकादेवता॥ ६ ॥ पूजिदेवतासिया॥ ७ ॥
थनसाधसाधक विवाले॥ ॥ किंसाया विज॥ मिंवधूविज॥ की कामविज॥ ह
क्राव विज॥ उं धूव विज॥ ओं पाअविज॥ क्रां कृअविज॥ ॥ पूजिविजविवाले याच

७
प्राय
अकर्मयाय

महाभक्त

१	१	५	२	३	४	१	१	३	१	३	४	१	२	३	१
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
२	३	१	५	१	५	२	३	४	१	१	१	१	३	४	१
क	र	ग	क	घ	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
२	३	१३	५	१	५	२	११	४	१	१	३	१	३	४	१
थ	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०

२ साधक विवाला
 याय साधक विवाला
 साधक कृष्ण नमिष
 गुरुगुलि जलुयाय ॐ
 हगन्धन प्रसिद्धि ॐ
 गन्ध श्रीराम ॐ

५

कपूर कलुलि जलवन गजमद लाहा कसपि थगिजेष्टगन्धधाय
 गुगुलिजलुया गमकदेवनाश्ल डामकदेवनाश्लो डामपूजायाहाडा जालाका
 याडा पूजायाहाडा कर्मयाय हुनेथडा ॐ हदेवनापूजायाहाडा जालाकाय

ॐ नमः शिवाय ॥ १२ ॥ **चौलनशाव** चौलिना ३४ पुरुष दक्षिणरुक्म श्रीवामरुक्म ॥ **नैषका २०**
 गुरुक्काचपुत्र्याडा श्रीयाकायपुत्र्यकं खडीलाहाकिमं नय ॥ २ ॥ **जैथाशिस २४** याछा
 कार्यमशिधगुलिसिद्धशय पुरुषया शियास म्रियाख डालाहाकिम ॥ ३ ॥ **चंडनासि**
६४ जेकगुरुमकचोशडा थाम थमखानकयाग खडा नाहाकिमं काय ४ दक्षिणा
 ३२ श्रीयाम्वाव्यमरुया धजगुगनपम काखयक ननानंमवाव्य ५ वयाम
 थिकाजगु ३२ कागम जैराधनवायाडा पूजायाडाडा शवावया गडीलाहानसधा
 चनायायशुलनयाय ३ वरुक्लि १२ याजगुवायाडा जगुदयकमकुवाय मकु
ॐ ह्रीं क्लीं क्लीं ह्रीं क्लीं दक्षि कालिस्वाहा ॥ ॥ धजगुडालगगसियाहल स वायाडा पूजा

५६

विष्णुसहस्रनाम
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

याय वाय जगुल कमुलि कपूरन वायाडा नडानक याक्क कूडाडागयाक्क विवपनविडा
क्कया मालसगयाडा विरय वन्धिक्कनन मालगिडा १ ज्जहागलसय १०८ काज्जु गालन
न श्रीरुक् कमुनि कपूललन रुजपडुअ वायाडा ज्जथासिजलपेगिरुल थज्जु वा
याडा सदिअरुला रुनवासरुल साकथडाडा पूजायाडाडा गोकपूयाडा ममगलसरु
लसा सागल्लगलसां खड्कासथुडाडागय वागिमरुळ्ळा २ विष्णु अज्जु २०
समअनयाहिंक्कल हाकूयस सकारवयाहि थल्लगान रुजपडुअ वाय थज्जु हाससा
लायाक्कअन नयाडा पूजायाय आरुगिविय हाकूहामल धलनडमलाडा मक्क
ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॥ नामकायाक्क विठ्ठलनरुय गम उवाक्कनरुय दअद
सउवाक्कनरुय गान थयागयानाडा थज्जुगल ज्जनविधंसरुय थयानामविधंसज्जु

४

५

मन्त्रादि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

धनुश्चक्रवर्तनाया छान ॥ मन्त्राया ॥

॥ यथेसासा ५० बालवर्तनहि जाय मन्त्राया ॥

यथा धनुश्चक्रवर्तनाया नमः ॥

॥ यहुकड हिमा ३४ यथेनाति

धनुश्चक्रवर्तन कारकाय

कन ननां नमः चार्थि लाहृदिनक्या यद ॥

॥ जाजागमनन ॥

॥ वहिमा ३२ साहिं य

महिं गुलि दिनशयाडा वा निडा मडा मगा करु वा नाडा धनुश्चक्रवर्तनाया छानडा डानशुर्ग
रुथिडा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ विषनासा विषहच ॐ थिडा ॐ डा ॐ थवा

अथ चार नडाडा ॐ चिह्नलसा ६ य ॥

॥ विह २० होलय झाडा मरुलरु वमरुल थच

कवादिमका कल्यानय ॥

॥ गिह ३० काधनुश्चक्रवर्तनाया कक न्याडा मरुलरु वमरुलरु

रुथिडा ॥

॥ चडावाहि ४

काधनुश्चक्रवर्तनाया कक वमरुलरु वमरुलरु वमरुलरु

डा धनुश्चक्रवर्तनाया कक अरुलसा नरुवाअरुअरुय वमरुलसा धलरुलसा धलरुलसा

अथ

अथ
अथ
अथ

अथ अथपगलाकसथडाडा वृमथडाडा नृय कुरुशिनक ॥ ॥ अथि ६० काजकु ॥ घनकास
हनकाय अन्ननानं रूकया अगकु वायाडा थडा अन्ननयाथम थरुनय अन्नचिलधवाशि
डा ॥ ॥ पञ्चमिह्वययाय ॥ ॥ वनिअ ३२ साविभगुलिजकु वाय मिथानामकाया
डा थममिह्वनयाय ॥ ॥ अथरुनसय १०६ काजकु धान, धायाठान साम सया रूथ
सत्रुकायाकासथन कयपगलाकस थडा रूथनलाय नानावागनमकयिडा ॥ ॥
वालिमका ४० कुरुदृष्टीलाठाडिमिगयांठा थगकु धालनायाठान मवयादृष्टिनामयशलागु
लिहय दृष्टिनागयशयाडास मसन इइमविलसा थगकु वायाडा गलम थन मनूथया
रुलसा रूथया हामिसकागक इइवियु ॥ ॥ वडनका ३४ थनिजगयाजकु वायाडाध
रनायागका मयाक मवयादृष्टिनागयशयमड ॥ ॥ लकासनासय १०० काजकु वाया

५०॥५०॥

५०॥५०॥

विष्णु २० काञ्चु यत्त नयाडा यत्त नदि नाडा वाक्क याक्क वाक्क नायाडान दय पूव्वय्याड
डा लाह दिस म्मीयावडा लाह दिस दय ॥ १० ॥ **पावसुका १००** कालवमचोद सवना वा
गनकयिडा मेयु केथसुखले नायाय ११ कयिस्का २३ जाकि कथि डम कयिस्का थज्जुवा
याडा दथु स थुवाडा कयान अत्रथिवन वा निडा १२ इच्छसयका २०० हानिपुसया
डा दया थज्जु वाक्क नायाडान अदिक लाह दय सिक्क स थव नायाय १३ सयका
१०० ज्जुवा याडा पुण्ण पुण्ण जानक्कया कसयाण्ण थाले नायाडान पुण्ण पुण्ण काल दिडा
१४ हाण्ण सय अस्सिका १० हय गावजाथ गवक्कया हण्ण यलिनं गम वायु हण्ण यविने
वसगायु थडा सज्जन मइमया थज्जु वाक्क नायाडान सज्जन दय कयिस्का जमं कं डा थाले
याय १५ वउहर्णि ३४ काञ्चु गवदइक्कया गवयाण्ण विठाण्ण याने गलक्क १६

शुभमदय
मन्त्रादय
मन्त्रादय
मन्त्रादय
मन्त्रादय

मिसका ३० श्री या पूरववरायाय खडावाकस धालनायाय ११ वडमिस ३४ काजकु
शंगने कयाडावानकया शंगदय पूरवयाजडा लाहामिस श्री या खडा लाहामिस १४
अथायिका २५ शकु कंधस धारना याडाडा पनद ग डा नरुमदय १२ वरुगविका
१२ शकु शिजनया कगिस धारना याडा न मवा मइक मिया मवा दय शकु ककल
कानवियगाल २० मारम १०० शकु मल स वा या डा खलन या डा न्या डा म मक
नाम खलाठान थम लाय २१ अष्टा नरमय १०६ काजकु मारम स पशुदका
या लायनकडाया थशकु वा या डा पशुया गुमिस चिनाडा मयान पशुया वाग लाय
२२ पावमयका १०० थशकु वा या डा मिया जम चिना मयान मवा मइक मिया
मवा दय २३ वरुगव १३ शानन पूडा कयाग थशकु वा या डा धारना याडा न

२
मन्त्रादय

शिवाय नमः

गङ्गाय नमः

जात्रकय प्रवृषयात्रालाहागिस म्रियायडालाहागिस २४ सयचक १०१ अंक
कु म्रियावागनकडमक्रयोरु वामलाहागिस धननायादान वागकय २५ वाच
सय ४०० काजकु वृत्त वा अं वालि सरुनयमशडाया सरुनयकय उपवनंतय
अ वृत्तदधूजकनवश अं ६० डाडागया धन २३ कृतयका ३०० धजकु म्रि
जनयो खडा काच वास धननयोदान होलायवगिशय २१ वयासिका ४२ जकु
कुनप्रननप्रनक्रयाग वागियाक्रमपागत विडाडागयगालगिडा २४ एकसयह
विकुलि ११० काजकु धजकु कंधस धलनायादान दकिनि साकिनि नशानया गा
वगिडा कृत्यालयमदय वाजानदखवियाडागलसां वाजलयकय २२ कृषि
२३ काजकु गमक्रया नामनजकु वाग पुमिस धन सरुनकनशय ३० चड

सकृदुक्तं

मोहक
र
म
क

मिस ३४ धजल कलनपूडाक्यान धवननायानान पुन्रषगलस मिश्रामहक ३१
चउगालि ४४ धजल वायाडा धवननायाय पुन्रषया क६४स मिश्रामहक लाहानिम मा
हशय ३२ एकसयसाधिका १३० धजल क६गलि क६मुवि अगुल गमलवनकु
जपेपुज वायाडा क६अथून अंगवालया नागिम क६सखनखयमरुयिडा ३३
क्यावालिस ४३ अ६यकु अ६गधनन वायाडा लखनसिलाडा गानक म्यवस्या
कलायूपाय ३४ नवका २० धजल नायसायाइइन कुज प६स अ६वाया
सिचिखिनि अ६याकाडा हायक६ जल वाय धवननायाछान विद्यागर्ग नमूनशय
३५ वालिसकाजल ४० कनिडावलानया नहन डावगन सिहलस वायाडा
धवननायाछान लाहानिमकाय अंगवानयूक जावनपूयूठय अकसयक

१०
अननपुनसक

१२४ धजकु अष्टगन्धन तुलसि पत्रम् वायाडा कंधसुधारनायादानं अत्रवधया
 व आदित्यवापयापिस ३३

२	१	३
६	५	९
४	३	८

संसारुनजकु गालिकादवना साध्य आधक यावत् विचालयाछ
 डाहान रागयाडाडा अष्टगन्धन जकु वायाडा धारनायाडाडा
 जगनमारुनशयू गजावनि छ्वादिन सिंघवायुसुधान थक
 खटान आकर्षन शयू छ्मिसमारुनजकु

४	२	२
३	५	१
८	९	३

रुगविडाजकु गालिकादवना साध्य आरु कया वत्तयाडाडा
 कसन रागयाथ कापाधयाडा गया व्याना विं वरु जकु वायाडा धालना
 याय दकिनि साकिनि रुगप्रन पिअ वा वगालेडा डाडाडा गयाक
 गालिकाडा अनिडा रुयेनरु छ्मिरुगविडावनजकु

संसारुनजकुः
 रुगविडाजकुः

शुभविशयशुभ

शुभविशयशुभ

३	१	२
९	५	८
८	३	४

शुभविशयशुभ ॥ विमलानामसुदलि दवना साधु दवना पूजायाछा
 डा अरुगंधन शुभवायाडा संयमसुधन वाजनसगाय करनान रुलि
 धक न्याहालि दंदमसगय अथवाधुशयनाकसगय अथवासलया
 कसगयाडा सलगयाडा हुगालसल्लाकानसक्या अमगलशयाडा सफुशयलयाडा
 थडाशयशयकाडा डायंरुयिडा

३	९	८
१	५	३
२	८	४

अथविशयशुभ ॥ ॥ वलिकादवना साधु साधकडा ल्याय
 याछा न टुनशन कसनशल आनरागयाछाडा सेवदको अरुगंधन
 शुभवायाडा धननायाय सिट्कनसशल धननायाछान नैलोकवि
 शयशुभ ॥ निरैलोकविशयशुभ

कामवच

मन्त्रमिति जाग

कामद विवजजागिनी देवी पंच कंन्यादवि गुह्य अविदवि सिद्धिगुरु आग्या विद्याद
वि सुनामकु यि अचउवाच धार ३ गुगुविदवागम वाकायाडा क्रमपनिवासन
याडा मसानस पूजागाथ हागाग्याने पंरुन कृष्णका जजमका चिगकेखान पूजाः
याय असानस पूजागाथ अनिवर वाचपूक पून आदिए वाचरु कृ काय नय मीश
न पूरुषशने होलाविय वेत्यशु यिडा मर्ग वाचा ७३ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
मकु उद्दीपय २ जागणि कुरु २ सिद्धि जी २ हंरु टलाहा ॥ ॥ नचपप्रममन लिख
समना वाचगुवाथद र्हेधंगन प्रयमकुं जागनी करनसमर्ग कृष्णचुद्धं वस्य क
नमंकुम अस्सांध कन वाय अस्म रुनयाय हननिन वाय माचनया ससानहिता
वनवाय अकर्मनयाय गजमग रुगर्गंधक वाय उवागनया वानाचया चिकी माहनया

श्री कर्ण

श्री लज्ज

सवचन कञ्चि कम्पुन सप्तैर्गन्तु अरुगन्धकप्रसिद्धी सावचनमनु सिद्धि जाग्रता
 यायकंथ कम्पुनपुदसिने पिव इवोक्तसंगडा समस्तानसंगडा विमकुजाग्रनायाय गु
 विमकुजाग्रपुसुपेवायाडा कम्पुन कम्पुनदय जागर्ग ॐ श्री क्री ३५
मकुधन १००० कौविकाक २०० १ सुपुण्यास २०० कम्पुन साधमहानिदय मस्तानसंग
 डा कम्पुनसं पिथसंगडा किटकयाग म्पुनापं नकयाग धावेसा कुथंशक या वाः थं
 नकिटकौलि लाडाये॥ ॥ ॐ श्री कृष्ण ज्ञा कर्षय स्वाहा ॥ ॥ हर्वनयागुकि
 कयाग ज्ञा कर्षन या य

ॐ ॐ किंकिं
ॐ ॐ किंकिं दुष्ट पू
त्रिकिहं हं

अजकु रूजपुष्ट वाय गवचन कृष्ण श्रीखण्ड कम्पुलि क
 पूर मनसिरे अर्गिजय धननायायश्री मिताया नामगन्तमा
 श वा ॐ

आकर्षणशक्त

मिमांसापिशाच

नामकिं	किं	किं
किं	किं	किं
नाम	किं	किं

अथशुक्रकर्ममनसिल सिधन मत्तानया कायनापचल अथशुक्रथन
नयमिसाया रुमनय रुमसाथियक मरुगसा थअकनय असा
रुमनयमालरुल आकर्षणेशल ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथशुक्रकर्ममनसिल सिधन मत्तानया कायनापचल अथशुक्रथन
नयमिसाया रुमनय रुमसाथियक मरुगसा थअकनय असा
रुमनयमालरुल आकर्षणेशल ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथशुक्रकर्ममनसिल सिधन मत्तानया कायनापचल अथशुक्रथन
नयमिसाया रुमनय रुमसाथियक मरुगसा थअकनय असा
रुमनयमालरुल आकर्षणेशल ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथशुक्रकर्ममनसिल सिधन मत्तानया कायनापचल अथशुक्रथन
नयमिसाया रुमनय रुमसाथियक मरुगसा थअकनय असा
रुमनयमालरुल आकर्षणेशल ॐ

ॐ ह्रीं क्लीं
 वसुधैव कुटुम्बकम्
 वसुधैव कुटुम्बकम्



वसुधैव कुटुम्बकम्



ॐ ह्रीं क्लीं
 वसुधैव कुटुम्बकम्
 वसुधैव कुटुम्बकम्
 वसुधैव कुटुम्बकम्



ॐ ह्रीं क्लीं
 वसुधैव कुटुम्बकम्
 वसुधैव कुटुम्बकम्
 वसुधैव कुटुम्बकम्

माचन

कथं
रुने

दवदकगलवम



१५ एग प प्रसहि न
 वाय कृष्णक
 यावतुद मि
 पूरु पूजायाय क
 पल्प ज्ञानाधना धा
 व १०८ मनु ॥ ॐ
 ७८ ७ लाहा ॥
 समलानस पूनाडा नय कृ ३३ प्रियं गुग
 वेचन एग प प्रस वा या डा दि प म थ डा
 पूजायाय ॥ ॥ ॐ धन्य धलाहा ॥ ॥ उप
 १०८ दिन २१ धगिन गाय

उं नलुद मल्लयन
 हं हं नय न प व म
 द द ला हा ॥ धा १
 धनहा ला ॥ ॥ ॐ
 नम गगव र व जति
 वासि निय हं हं हं
 ट ला हा
 नामाद विर हं हं
 रुट ला हा ॥ ॐ
 गिल विर हं हं
 ला हा ॥ ॥ मश ३
 या ॥ ॥ ॐ धन्य धलाहा ॥ ॥ उप
 मालि द विर हं हं
 द ट ला हा



५५ ५५
 गधन वाय गाल स वाध
 वग या प्रिनि कर्तु ॥ ॥ ॐ नमा
 गुरु ज्ञाना ॥ ॐ मि धन धलाहा ग
 निल का मालि व ज जा मि नि स ज
 ला हं हं हं ट ला हा ॥ ॥ धा गति
 धज डा म नु या ना डा गिय मि मा
 मी ज व जि डा वा म मि जन व स जल

ॐ कौं कौं कौं कौं कौं प्रणम्य श्रीवन्धनाय स्वाहा ॥

ધાલગ્રા રવ ॥ ૬ ॥

११ मेष ॥ अश्वि चर लग्न
२१ वृष ॥ इषि संकपि भीम गत
३१ मिथु ॥ मोक्षार्थं चर लग्न
४२ कर्क ॥ कस्तूरानि चर लग्न
५१ सिंह ॥ धनलो रश्मि चर लग्न
६२ कन्य ॥ अर्थ उा के
७१ तुला ॥ प्रिमिला रु
८२ वृश्च ॥ इषि मन हानि
९२ धनु ॥ हर्षला रु चर लग्न
१०१ मकर ॥ चर लग्न
११२ कुम्भ ॥ धन अनि चर लग्न
१३१ मीन ॥ चर लग्न उका वि

इति हि उरु आह्वयकं ॥
 वाचा धन वाचा व इति निवाचा
 इति हि उरु आह्वयकं ॥
 धन धन धन धन धन धन धन
 धन धन धन धन धन धन धन
 धन धन धन धन धन धन धन

उं ह्रीं क्रिं लृं कं स्वा हा ॥ ॥ हा
 ही ह्रीं रु सा दी गु रू ज्ञा स्वा म व नं म
 वृ या सा ३ म पा व ले ष का न २ वि द
 मि घा नं धा दा वी धा वी व धा स स्वा
 वि रु ग दा वी मू ख दा वी ॐ
 उं मृ य २ शि वा न म्पु व ज वा र म्पु र
 मृ य २ स्वा हा ॥ ॥ धा २१ ज प ना म
 का य क थ र म्पु क र ॥ १७ ॥ उं मि
 धि गु रू ज्ञा स्वाः उं ह्रीं रु ना य म म
 मि घा नं धि म म न क य २ ना व य ह्रीं
 ह्रीं रु रु स्वा हा ॥ ॥ धा २१ श ले षा क

93

73 11.

मंगला ॥ अथ सुमनसस्तुति ॥ उं किं मंगलमंगलालयत्वा हा ॥ शोभनगृहवद्वक्त्रा यनि ॥ १ ॥
 पिगला ॥ कं पिगला वेलि कायिधि प्रसिद्धरुद्र ॥ ॥ ज्ञादिष्टगृहविस्तृति ॥ ५ ॥
 धन्या ॥ श्री धनदवमस्तु हा ॥ धा ॥ ॥ अथ गृहवावाहि ॥ ५ ॥
 आमवि ॥ किं श्रीमन्निजगणो भो अथ जीवामय कं ॥ ॥ अं गमवका मायि ॥ ३ ॥
 रुद्रिका ॥ वं रुद्रिका भन रु उं द हि य व रु द्वा नि ना ग य २ स्वा हा ॥ ॥ रुद्रस्य किं वे दायनि ॥
 उक्ता ॥ उं उं कं ममला ग ना स य ॥ रुं ग य स्वा हा ॥ ॥ अनिश्चयगृहा वा मडा ॥ १३ ॥
 सिद्धा ॥ कीं सिद्धि म सर्वमान सं धाय २ न म ॥ ॥ अं कृ गृ हा ॥ मा हं धे वि ॥ ११ ॥
 संकणा ॥ उं किं सकट वागभ य व मं ना म २ स्वा हा ॥ ॥ वा दू कं गृ हा ॥ मा म रु ल ॥
 ॥ १३ ॥ वस्त्रि सं हा व ॥ ॥ अथ वरूय जा मि दसा सा कि रु ल ॥ ॥ ॥ ॥

मिने प्रकया
मोह्या मिदमस्या
मिने प्रकया
मोह्या मिदमस्या
मिने प्रकया
मोह्या मिदमस्या

उं नमो श्रीसर्वेश्वर्य ॥ ॥ श्रीगुरुवन्दनमः ॥ ॥ उं नमो गुरुगाल्मिल्लुल्लहं रुद्र ॥ अ० नमो
वस्याकपूर्य ॥ १ ॥ उं अल्लुनाह्लिहं रुद्र ॥ अ० मिदमस्याकल्लुमिडायापूर्य ॥
॥ २ ॥ उं किट् २६ नमल्लहं रुद्र ॥ अ० पाल्लुपल्लपाडा ॥ अ० नमिदायापूर्यः अ० कि
ल्लनडायाः अ० स्याकलाडा ॥ ३ ॥ उं महुमनानि अ० कथाकहं रुद्र ॥ स्याकिल्लाहः नडा
षवविमडाः अ० पल्लुपी पाल्लुमय नमल्लुह्लिकिया ॥ ४ ॥ उं अल्लुनादिहं रुद्र ॥ अ० मि
नपूरकयालागलाय ॥ ५ ॥ उं हं गाल्लिंघहं रुद्र ॥ अ० व० पाल्लुमवागलाय ॥ ६ ॥
उं हुन२नामय २हं रुद्र सर्वस्याधिनामय २हं रुद्र ॥ अ० व० स्याक अ० कायाल्लय ॥ ७ ॥
उं जंगविमानमाल्लुहं रुद्र ॥ अ० व० अ० थस्याकयाल्लय ॥ ८ ॥ उं वजवावाह्लि
वैदृष्टान् नकहुन हं रुद्र ॥ अ० पुनया ॥ जावयथायः किमपि स्याल्ल ॥ ९ ॥

पुनया

१३

पुनया

दश प्रश्न
रुद्रि नक्षत्र

उमा नन २ दल २ शुभ २ हं रुद्र ॥ धन २ व स नानवाकायाडाः धूयका याडा जय लयं नित्यं नम
रुद्र ॥ १० ॥ उमा नन शुभा न शुभ स्वाहा ॥ धन २ १ स दुविडा डाय स य ॥ ११ ॥ उं नगन पिता वि
निन गल सा विन गंगी हं स्वाहा ॥ धन २ ल स नानवाकायाडा क न यः शुभा द डान नम रुद्र ॥ १२ ॥
उं हं किं है ॥ धन १ धम न न क क रुद्रि द द डाय नित्यं क क जाय न य ॥ १३ ॥ उं का न मा
हाका न रु य प्र हा न रुद्र ॥ धन १ पू द या धम न न पू जा पि न ॥ १४ ॥ उं रुद्रा हा विं किं हं रु
द्र स्वाहा ॥ धन ३ सि न स ला हा कि न थि स जय न थ क क डाय ॥ १५ ॥ उं नमि न कं द वि हा रुद्र
द्र स्वाहा ॥ धन १ ल य जय न र्प नान क य स जा य ॥ १६ ॥ उं य न्र यं किं य स्वाहा ॥ धन १ ल य न्र
या नान कं म पू या हा गु लि का थ स य ॥ १७ ॥ उं कं कं हं किं कं ध नि २ रु द नि २ स ध नि २
कि मि मा न न रुद्र ॥ धन १ धम न न का थ स य कि मि ना स ॥ १८ ॥ उं वि य न रुद्र रुद्र स्वाहाः

ॐ इत्याउ काय शुभापि इति सुकाययक थ थ काडा नया ॥ १८ ॥ उंगउ किर्क श्री विकि यमि
या निसा वय जगु ना गं म मायिरु याम उवि नू पाकि जरा हा ॥ १९ ॥ ॐ इत्याउ काय शुभापि इति सुकाययक थ थ काडा नया ॥ १८ ॥ उंगउ किर्क श्री विकि यमि
द्वि य जिडा ॥ २० ॥ उं तुं स्वाह विं किं हं रुट ॥ २१ ॥ ॐ इत्याउ काय शुभापि इति सुकाययक थ थ काडा नया ॥ १८ ॥ उंगउ किर्क श्री विकि यमि
हा ल ॥ २१ ॥ उं जं उ न हाः साय हं रुट स्वाहा ॥ २२ ॥ ॐ इत्याउ काय शुभापि इति सुकाययक थ थ काडा नया ॥ १८ ॥ उंगउ किर्क श्री विकि यमि
उं मं मं विं विं विं स्वाहा ॥ २३ ॥ ॐ इत्याउ काय शुभापि इति सुकाययक थ थ काडा नया ॥ १८ ॥ उंगउ किर्क श्री विकि यमि
पुय ॥ २३ ॥ उं सर्वगं विं विं विं स्वाहा ॥ २४ ॥ ॐ इत्याउ काय शुभापि इति सुकाययक थ थ काडा नया ॥ १८ ॥ उंगउ किर्क श्री विकि यमि
॥ २४ ॥ उं पं पं विं विं विं स्वाहा ॥ २५ ॥ ॐ इत्याउ काय शुभापि इति सुकाययक थ थ काडा नया ॥ १८ ॥ उंगउ किर्क श्री विकि यमि
विम्वर ॥ २५ ॥ ॐ इत्याउ काय शुभापि इति सुकाययक थ थ काडा नया ॥ १८ ॥ उंगउ किर्क श्री विकि यमि
उं निनकं थ ग व उ म म धे धे मा रु व व र स्वाहा ॥ २६ ॥ ॐ इत्याउ काय शुभापि इति सुकाययक थ थ काडा नया ॥ १८ ॥ उंगउ किर्क श्री विकि यमि

॥ १३ ॥ उं हुं ह्रूं ह्रूं ह्रूं ॥ धा १ चिकं जय पाडा घाल सदा य गा रा राय ॥ २१ ॥ उं ह्रूं
किं किं ह्रूं ॥ धा ११ जमि सा व सा ह य ॥ २२ ॥ उं नम नम नम नम नम नम ॥ धा १ विजाल लखडा
जय लपा डाल कं म ल स र ना स ॥ २३ ॥ उं नम आ गमा मि नि आ ग्य ख नि किं कीं कीं सर्व
कार्ज सि धि नम ॥ धा ३ लख जय व रं ना न कं व क थ प ह य ॥ ३० ॥ उं हुं न २ ना स य २ सर्व वा
धि ना ना स य २ ह्रूं ह्रूं ह्रूं ॥ धा १ चिक न जय लपा डा स यः हि रि क या ह्रूं क क य गा रा
राय जि डा ॥ ३१ ॥ उं सा व सा क प व य ज वि शा य ह्रूं का व मि नि का प र्व न ग ह्रूं गु रू आ हा
धा ३ ह्रूं सा प क या प य ॥ ३२ ॥ उं का पि का रु न गु रू क स र न ह्रूं ह्रूं ॥ धा ३ २१ लख जय
गा न कं ज वि वा र का थ य ॥ ३३ ॥ उं कीं कीं कीं ह्रूं ज रू म नु ह्रूं ॥ धा ३६ व ना ना प ला स
डा ध म नु प ल पा डा ला पा दा य द व क ॥ ३४ ॥ उं हुं न २ नि व रं गु वा य ह्रूं ह्रूं ॥ धा ३७

पिगर्क कथा न सा न यथा य ॥ ३१ ॥ उं मूड २ ग हा उं वति २ स्वा हा ॥ धा ३ वा ग म मा न स्वा कथा
 चिकन स्य ॥ ३४ ॥ उं पि अ चि य र्मु स व पि मां की हं रु ट स्वा हा ॥ धा १ ग ड अ वा न पुं ड वा
 मा न न या य ॥ ३१ ॥ ग हा ला व ग जि जि ० हं ॥ धा म नु न जा डं प मि नि हा य म रु य का ॥ ३८ ॥
 उं व ग पा नि क क स ना प न य ज म ल क र २ स्वा हा ॥ धा ३ वि क न ग प र यं क ना प रू या ड न
 म मू ड ॥ ३२ ॥ उं व ग मा न नि व ग वा रा हि वे वा र नी य स्वा हा ॥ धा १ वि कं ग प ल पं नि य
 स र्व मा ह नि ॥ ४० ॥ उं श्री श्री श्री वि ग च ॥ म हा सा वि श न ॥ व स क र स्वा हा ॥ धा ३ सि ध ग प र
 पं नि य स र्व मा ह नि ॥ ४१ ॥ उं व ग नु ग ठा व ग नु रु दा ग दा म क र क स्वा कि क ज स्वा हा
 हं रु ट स्वा हा ॥ धा २४ आ क न पा र वि ण का सा य क न डा वा गि या न क ड व र ग ॥ ४२ ॥
 उं उ मा वा क नि वा स य हं ॥ धा १ का र्क पू क या वा ग वा य ॥ ४३ ॥ उं व ग जा गि नि आ हा उं

विशान्तरा य हसुमरि कालि २ हं थमा विजाय ॥ धा २१ धम कुनमि किच कं ॥ ४४ ॥
उं मर्मा मर्मा हं रु ॥ धा ११ धा १ धु वि स्या नि ॥ ४५ ॥ उं वज्रं जी षव द्वा २ धा २१ का कि
सि वि सि डा नि डा ॥ ४६ ॥ उं हं कौ कौ कौ प्र ह्य श्री व ध ना य स्वा हा ॥ धा ११ ज्ञा न ग ज प र पं ह्य
४७ ध वि डाः डा डा क्र रुं ग या य ॥ ४७ ॥ उं जा दि लु स र थ व ग न वा हू द व न ग रू ड पं कि नि
पं व न स्य ज था व य न व म् रू म् भा ग रु २ स्वा हा ॥ धा २३ रूप न का ना छि दा दा डा स्व था
धा य क्त स प न स रु य ल धा य ॥ ४८ ॥ उं गा र नि गा र य मा व नि मा व कि प व द द स्वा हा
धा १ धि कं न ज प ल पं र्वा ले त वृ य स र्व मा ह नि ॥ ४९ ॥ उं ज ल म नि ज्ञा स क स्वा हा ॥
धा ३ स्वा न ज व ल प रु य क स र्व मा ह नि ॥ ५० ॥ उं नं वि या २ हं रु ॥ धा २१ ज्ञा प मि
वि स्या डा नि डा ॥ ५१ ॥ उं ङिं वि मि मि रु रु ॥ धा ११ व वि स्या नि डा ॥ ५२ ॥ उं क्रि वं रु

कनाथ वरुम ह्म आवन हं रु ८ ॥ धा १६ पा ला ह्म या चा ला कं न वि वा वि ह्म डा नि डा ॥ १३ ॥
उं ॐ न्द्र ह्म रु कि ग वृ ड ह्म व रु स म्ने ह्म क ह्म ह्म ॥ धा १७ वि न हा क या य म् जों य ॥ १४ ॥ उं का
थ वि का थ नों स वि ना स ने व ड ग या माल ह्म हं रु ह्म ह्म ॥ धा १८ ले ष ड या डा ना न क म् व न म
ष या ना म थ ल्क ॥ १५ ॥ गु रू आ म् गु प म् सि दि स र्थ म् रु य ह्म ह्म ॥ धा १९ अ भि य पा नि
धि डा ॥ १६ ॥ उं य सि नि हा १२ र्थ म् रु ह्म ह्म ॥ धा २० म पि हा यू थ म् थ ना न व ल म् व
पू ॐ का या डा थ स क्क मि क रु ग या य ॥ १७ ॥ उं श्री व रु वा रा हि क रु गो हं रु ह्म ह्म ॥ म
हो व जा य हं रु ह्म ह्म ॥ अ रु य वि रु य हं रु ह्म ह्म ॥ व रु जि जि य हं रु ह्म ह्म ॥ धा २१
व न म रु रु ल् ह्म न्द्र य कि रु ल न रु स थ कं व रु दि ग म् ह्म ह्म ॥ १८ ॥ श्री गु रू आ ह्म न
म श्री वा व का मा वि न म उं व रु स रु य म् रु मा नि क र्म हं ॥ धा २२ म ग्ग व ल म् वा रु य ल य

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नमः

किंकि	किंकि	किंकि
किंकि	दवकुली	किंकि
किंकि	पलर	किंकि
किंकि	नाम	किंकि
किंकि	किंकि	किंकि

किमियाऊऊ



थजऊरुपशसगवशारकुं
नमनसीरनं वायाडा गेलसकारक
यक नाकाचकिमिकादयाडायायूअ

दडाया



थजऊरुपशसगवशारकुं
मन वासु नयसाहुनिसग
य नडा दमडायायाडाखकि

नमस्तु राधा



धजकु रजपप्रस गवचन
मसिंर कुंक्रमन वास्य ला
हादिह का ठगय अकिन
हिधनपूया नमस्तु राधा
अया धरु रा

विनचाक या



धजकु रजपप्रस गवचन कुंक्रम
मन वास्य गलन का रमय कवि
नयरा का य म इ विनचायम
रु रजा ध

अविनाम साकः



धजकु रजपप्रस गवचन कुंक्रम मन
सिलन वास्य धजकु रजपप्रस गवचन अ
विनाम साकः मगल के उन्नाथ

अविनायक



उहाय



अकाशक



महाव्यक्त



अमृतपुत्रपुत्र ३२३
गमचनकंक्रम श्रीरव
नचाखलाहिसका
नंमदनवसखचसां
लसंमगलकचक्रा

अमृतपुत्रपुत्र ३२३
गमचनकंक्रममनसि
नचाखलाहिसका
नंमदनवसखचसां
लसंमगलकचक्रा

अमृतपुत्रपुत्र ३२३
गमचनकंक्रममनसि
नचाखलाहिसका
नंमदनवसखचसां
लसंमगलकचक्रा

अमृतपुत्रपुत्र ३२३
गमचनकंक्रममनसि
नचाखलाहिसका
नंमदनवसखचसां
लसंमगलकचक्रा

ममनया



अजगुरुजपप्रसज्वल
 वनकुकुमः एवलिशा
 हाथनवासागलस
 कारख यकीमंमंशु
 यावक्राथ ॐ

महिनया

नक्रांकी
क्रां



अजगुरुजपप्रसज्वल
 वनकुकुम मसीलेनवा
 संक्रसगसंथपठया
 महिनयावक्राथ ॐ

आनिस्थाक



अजगुरुजपप्रसज्वल
 लेवनकुकुमनवाथ
 लाहिसुक्रयाय
 आनीस्थाकमंग्रया
 वक्राथ ॐ

पगस्थाक



अजगुरुजपप्रसज्वल
 जावनकुकुमनवाथ
 गलसकाटकयकं
 सत्यपगस्थाकयाव
 आथशल ॐ

मिसा हा अया



अशुभपुत्रपुत्रसुखवाचनकंक
ममनसिलनवासा ला हा मिस
छा नाग ये मिसा हा या नका
अशुल ॐ

मासा क



अशुभपुत्रपुत्रसुख
वचनः कंकमन श्रीव
उन वा सा मालमग
सां अति कलने पूज
वा वीरम लमा सा
क या नका अशुला

अमिसा अया



अशुभपुत्रपुत्रसुख
वचन कंकमन
वासा कुमापिकाने पालचिस्थं कासा
यकी अमिसा अया नका शला ॐ

कडाव



अजकुतुगपुसगवराचन
कंकममनसीचनकोरुमाल
सचुल्लंथडां क कवचं याय
रुयमदंयके वडा

म वा म द



अजकुतुगपुसगवराचन
कंकममनसीचनकोरुमाल
सचुल्लंथडां क कवचं याय
रुयमदंयके वडा

रुनमरु क या

	हं क्रों क्रों हं	
	उं आ उं	
उं	उं उं उं उं उं उं	उं
उं	मायजाकिणीवध	उं
उं	वकिचनीवध	उं
	किनी वध	
	विच वडा	

अजकुतुगपुसगवराचन
कंकममनसीचनकोरुमाल
सचुल्लंथडां क कवचं याय
रुयमदंयके वडा



धरुधरुधरु पप्रसुधरु
 चनकंक्रमन ममिलन का
 लाडा हुरुलेधिदथरुध
 मूललेरुध रुसमल क
 पाकनसं मवन रुसथ
 हाकडाया मगलनका



धरुधरुधरु पप्रसुधरु
 चनकंक्रमन ममिलन का
 लाडा हुरुलेधिदथरुध
 मूललेरुध रुसमल क
 पाकनसं मवन रुसथ
 हाकडाया मगलनका



धरुधरुधरु पप्रसुधरु
 चनकंक्रमन ममिलन का
 लाडा हुरुलेधिदथरुध
 मूललेरुध रुसमल क
 पाकनसं मवन रुसथ
 हाकडाया मगलनका



धरुधरुधरु पप्रसुधरु
 चनकंक्रमन ममिलन का
 लाडा हुरुलेधिदथरुध
 मूललेरुध रुसमल क
 पाकनसं मवन रुसथ
 हाकडाया मगलनका

उयि वाडा या



अशक्त रूप प्रलय
वचन कं कसन वा
लाहा गिरा ककड
यिनि वाव या वक्रा
रुल

आय वाडा या

				सा		
		कि	न	सु		
	व	व	न	शी	सा	
कि	उं	च	या	व	म	ह
व	का	व	उ	ई	व	का
व	उ	मी	न	ना	ह	य

अशक्त रूप प्रलय वचन कं कसन वा
स गल स क र क ये कं न य डी य वा डी
या वक्रा थ दसमी रु ह स्य नि वा व
रु क गु गु लि दि या डी गान कं डी य ना
अ

मिलो यडा या



अशक्त रूप प्रलय वा वन कं
कमसन सिरन वा स्यं ला हा गिरा
क्या ग कं मिलो य या वक्रा रुल

अधिकांशः



अजहृहृपुमममम
नकंक्रममनहिलनं
गल्लकायक अधिनि
वाडाया नक्राहल

पुयायनका



अजहृहृपुया वल्लकापुमममम
नवाहं हं मथहृय पुनं वल्लका
वल्लकायक अधिनि विमडान
मं लिहडायिडाहल

हृगालांशः



अजहृहृपुमममममममममम
नवाहं हं मथहृय पुनं वल्लका
वल्लकायक अधिनि विमडान
मं लिहडायिडाहल

इन्द्रिय के



अजकुङ्कपप्रसन्नलवनक
 कसन वासं कापलसपालवि
 स्यः गलस कारक य के साः मः
 सन इन्द्रम विडाय वि य के व
 काशले

सुगमसामयक



अजकुङ्कपप्रसन्नलवनक
 म मन श्रीरुन वासं लाहिस
 क्वा नागसं सुगमसे घाले रु य
 मरु श्रीरुग वेदिद विमनका

वालला य या



अजकुङ्कपप्रसन्नलवनक
 मनमिलने वासं का न स या द द
 थ घाले व स कारक य के साः मः
 या रवाल ला येन दाडा वा न का रु ल

मिऊनः मितां वस्यः



धरुनरुजयप्रसन्नवनक
रुमः अरुनामलाहोशाहीनवा
स्य अशानामक्रिथरुनलाह
मिमरुयानाकयं मीसानं मिऊन
वमयायशुल

मिहः मिऊन वस्यः



धरुनरुजयप्रसन्नवनक
नः अरुनामलाहोशाहीनवा
दया मा रुनीन वास्यथ अम
सगयं मिऊनं मीसा वस्यया
यथमनालगमरुयकेश

रुमिस्थ नडाया

१२	१२	२	१
३	३	१३	१४
१५	१३	८	९
७	८	१७	१८

ॐ दयकुम्भमध्य
मउमि यकं भलक
मः अगलः गवराचन
मलिखीनं वाचीनह
मंगलमध्यरात्रि

मालस्या कयाः

१६	२२	२	१
३	३	१६	१८
२१	१७	८	९
७	८	११	२१

ययकुम्भमध्य
रिवर्गः वा ॐ पा ॐ रु
मिलनपि दानहाय

२७

37	33	2	7
3	3	39	30
33	38	8	9
3	2	32	32

माल्या क

८	११	८९	९
८०	२	११	१२
३	८३	२	१
१०	५	३	८२

विद्धि यद्दि माथ
न इति वा

नमो नमो

३३३	१११	३३	३
१११	३३३	३३	३
२२२	३३३	३३	३

३३३ १११ ३३ ३

१११ ३३३ ३३ ३

२२२ ३३३ ३३ ३

गवचने कप
 च हलदि ध
 दिन सूत्र पत्रः
 यिलं आयाडा
 न ना का गि या न
 श लो

बाहु मा हुन या

१२	१६	२	१
३	३	१०	१५
१८	१३	८	९
७	५	१४	११

अथ लुक् नीडा स्वा
नदिनं डा वग क सि
या ह ल स वा वा डा
क र ख य क वा जा प्र
जाः स र्व व स या यू डा
र लो

५३ नमः यो

१४	३१	२	१
३	३	१६	११
३०	११	८	१
४	१	१६	१६

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
लीलितः कुचंसी प्रभु
लीलितः लाकधर
अनीयं अनन्तर
वसिष्ठविश्वं मया
मयाभिः

वसिष्ठक

८	११	१४	९
१३	२	१	१२
३	१३	२	५
१	४	३	१५

ॐ दं यं वसिष्ठ
न नो मय मावज्
वस्य ज्ञं गधव
न लिखि न नामि
ॐ आनामि नम
एवं नि वस्य वस्य

थडा रुय ममाल

४	१		४
१	१		१
४	१		४

ॐ दं यं रुनी ममाल
न नीलि र्ग मुन दि
न ममाल ना नि उका
रथा न व्या धव द
नाजा या

मालि एका कः



ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ

ल म
मि न प
रु प ना य
रु रु रु

लथा य या



थडा रुय ददि दा दा
डा क स र ल स था था
दा डा रु डा रु स प रु रु
रु क प्या दा डा डा न
लथा य वि या रु ल

नाम कृती गुरुः

विद्यानाथ

वद्या



अजकुल यय सगम वचन मन
 सीर माहनी थ गे न वा सा गुरु
 न स क डा च रु दे श्री प्र क ग डा थ
 डा क स क स स म क मं ग य क सि वि
 का षः धू या दू या रू क प्र क या क
 कि नी या थ ग र य म दू व का क ले
 न्नि श्री य क ना म क नी स मा फे

अजकुल यय सगम वच
 न कं क स न वा स यं ल क
 सि स थ दा डा क य जे द
 अ क र्क मूल वि ज्ञान गा
 प या व मा ले

अजकुल यय सगम
 वचन कं क स न वा स यं ल क
 का र क य क ग वि व सा व या म क
 र ल डा डा या क र गा ग या व का
 र ल

महापाक रूपागया

वचनयाकाकसाकशय



अजंशरुजपप्रसंग वाचनं कं क
मन वास्य धलसद धूकाडाकय
वचनयाकाकसाकशय ७



कान्त यक



धनं प्रदुष्टं प्र
यस कं कं मन
शाल्य वा च ग
हृयां च आरु
वा

सकृत् ० य



धनं प्रदुष्टं प्र
सहि च स धनिना
न का स वि स्वी नि
वा ल्यं जा दि ल्क
श व का च स धु
डा न य सकृत् कानि
वय कं धनं धन
काले धु चा डा न
य

वम या य



धनं प्रदुष्टं प्र
सहि च स धनिना
न का स वि स्वी नि
वा ल्यं जा दि ल्क
श व का च स धु
डा न य सकृत् कानि
वय कं धनं धन
काले धु चा डा न
य

मना मर



धनं प्रदुष्टं प्र
सहि च स धनिना
न का स वि स्वी नि
वा ल्यं जा दि ल्क
श व का च स धु
डा न य सकृत् कानि
वय कं धनं धन
काले धु चा डा न
य

बालः ॐ उवाच



मिकासः नमः आः हिडानाप
इध्वनकोनहलयागिनन
सुरजपुत्रसधजुच
सं बालसुदसिवाउवा
ननशल

सर्वे नवा



धरुनुजुपुत्रसया
कलिन वा स्यं कात्क यक
ज्या क कं सर्वे नवाशला

माननयाय



धरुनुनिमप
सवसहिनवास्य
संजानेसंथका
थ क स क ज्ञा स
क म लु शय

आकर्षन



धजपुत्रपुत्रसया
गलात्रनवास्य वाचंका
रायक रागवधयजा
कर्षनयाय थडाक
पूयक रुपा



को
दवरु
डी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
न चागाव सलाहादि स न
य ॥ १ ॥ सुकृतलसा व
एकपुडा ॥ ७

द्वन्द्व

शुभ पञ्चमिकासक
 यद्विनायकं मालनेद
 धूनानेदिस्यं वायवात्
 सदेयि उच्चो नशला

श्री ५ व
६ लु श्री ७
८ श्री ९

मनचन नमिसाय
 वाचर वाय रवय
 लसि हयल सप
 नथडा क मनडा
 यूडा रुला ३

धनकुशुपय सज्जसाय
नवायं धमवान्धसमय
लोककायिका वनजति
यिकाशला

स्वाय
ॐ
ह्रीं ह्रीं ह्रीं
नाम
ॐ

मिसायास कृत्याय

पथमथ दु
पथमथ दु

ना १० म

अजकुनामसिनि
कुजपदस वायथुगति
वाननकाठाडा-बकु
सथसडा नापुनस
थूठाडागंयकवि
यासाधकयासकु
स्वायथुगतिरुपु

अजकुमसिनि कुजपदस
वायं वानथथरनकं के
ददयकं नापुनस थूठा
डमगयक मिसायासकु
विद्यायायशला

करन



कर्म ०



अजपदस वायथुगति
अनासायाहिडापिथसरुया
मरुनीन वास्यथडा ममगस्य
मिजनमिसावस्य यायुदुद

३०

५
द्वय
नननाष
गन
न

उं हं किं हं ॥ ११ ॥ अ किं सा पू य ॥ ॥ उं सा य
 मा च हं रु र स्वा हा ॥ सि ध व स कुं चा य गु ति ॥ ॥
 उं न मा रु क षे क न म न य स्वा हा ॥ ॥ अ वि चा य
 थ डा शि च व रु प मा न क रू ल उं न दी हं रु र स्वा
 हा ॥ मि न य क सा रा ग ॥ ॥ उं किं किं किं हं हं हं रु कि न
 का वि स्वा हा ॥ ॥ अ रा ग रु र स वा सा डा पू जा या
 म रु रु प ॥ १००० ॥ सा य अ रु र क यु च क रु र न वा य वे दि
 मा रु या रु च का रु मा रु या य रु ध सि के वे वा य ॥ ॥
 अ मि मा दा वे वि मि ल वि रु वा रु सि रु स्वा स्म र मा रु ध
 स य ये वि रु वा रु वे रु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2671

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

लो वक्रुवाय ॥ अ३ दम ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥



वि

वि

३६६

२३

नमो

संज्ञयनाम ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीमहादेवशास्त्रेण ध्यातुं वक्रुदे
 कास्यनायक कर्षव कर्षुवि कसविहसिहसिनात्रहल धनन एतपदस वाच उरुवसाया
 पुषा वातावलस गतादकसा नमनिह्नीकेवसुनगियाडा पचाएन यकसगवदयकाडाथ

क्रम गा पूजा या वाशाय
 क्रम न या डी का रमय थर
 क्रम ले सं नाने मरु एतपुन पि

३३